# श्री महावीर-जिन पूजन
# Śrī Mahāvīra-Jina Pūjana

पं. हुकमचन्द भारिल्ल
*Pandit Hukamacanda Bhārilla*

(हरिगीतिका)
(Harigītikā)

जो मोह माया मान मत्सर, मदन मर्दन-वीर हैं |
जो विपुल विघ्नों बीच में भी, ध्यान-धारण-धीर हैं ||
जो तरण-तारण भव-निवारण, भव-जलधि के तीर हैं |
वे वन्दनीय जिनेश, तीर्थंकर स्वयं महावीर हैं ||
ॐ ह्रीं श्री महावीर जिनेन्द्र! अत्र अवतर! अवतर! संवौषट्!
ॐ ह्रीं श्री महावीर जिनेन्द्र! अत्र तिष्ठ! तिष्ठ! ठ:! ठ:!
ॐ ह्रीं श्री महावीर जिनेन्द्र! अत्र मम सन्निहितो भव! भव! वषट्!
Jō mōha māyā māna matsara, madana mardana-vīra haiṁ |
Jō vipula vighnōṁ bīca mēṁ bhī, dhyāna-dhāraṇa-dhīra haiṁ ||
Jō taraṇa-tāraṇa bhava-nivāraṇa, bhava-jaladhi kē tīra haiṁ |
Vē vandanīya jinēśa, tīrthaṅkara svayaṁ mahāvīra haiṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra jinēndra! Atra avatara! avatara! sanvauṣaṭ!*
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra jinēndra! Atra tiṣṭha! tiṣṭha! tha:! tha:!*
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra jinēndra! Atra mama sannihitō bhava bhava vaṣaṭ!*

जिनके गुणों का स्तवन पावन करन अम्लान है |
मल हरन निर्मल करन भागीरथी नीर-समान है ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्री महावीर-जिनेन्द्राय जन्म-जरा-मृत्यु-विनाशनाय जलं निर्वपामीति स्वाहा।
Jinakē guṇōṁ kā stavana pāvana-karana amlāna hai |
Mala-harana nirmala-karana bhāgīrathī-nīra samāna hai ||
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya janma-jarā-mr̥tyu-vināśanāya jalaṁ nirvapāmīti svāhā* |

लिपटे रहें विषधर तदपि चन्दन विटप निर्विष रहे |
त्यों शान्त शीतल ही रहो रिपु विघन कितने ही करें ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्री महावीर-जिनेन्द्राय संसारताप-विनाशनाय चन्दनं निर्वपामीति स्वाहा।
Lipaṭē rahēṁ viṣadhara tadapi candana viṭapa nirviṣa rahē |
Tyōṁ śānta śītala hī rahō ripu vighana kitanē hī karēṁ ||
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya sansāratāpa-vināśanāya candanaṁ nirvapāmīti svāhā* |

सुख-ज्ञान-दर्शन वीर जिन अक्षत समान अखंड हैं |
हैं शान्त यद्यपि तदपि जो दिनकर समान प्रचण्ड हैं ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्री महावीर-जिनेन्द्राय अक्षयपद-प्राप्तये अक्षतं निर्वपामीति स्वाहा।


All copyrights reserverd © 2Alotus(India)

Sukha-jñāna-darśana vīra jina akṣata samāna akhaṇḍa haiṁ |
Haiṁ śānta yadyapi tadapi jō dinakara samāna pracaṇḍa haiṁ ||
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya akṣayapada-prāptayē akṣataṁ nirvapāmīti svāhā* |

त्रिभुवनजयी अविजित कुसुमशर-सुभट मारन सूर हैं |
पर-गन्ध से विरहित तदपि निज-गन्ध से भरपूर हैं ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्रीमहावीर-जिनेन्द्राय कामबाण-विध्वंसनाय पुष्पं निर्वपामीति स्वाहा।
Tribhuvanajayī avijita kusumaśara-subhaṭa mārana sūra haiṁ |
Para-gandha sē virahita tadapi nija-gandha sē bharapūra haiṁ ||
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya kāmabāṇa-vidhvansanāya puṣpaṁ nirvapāmīti svāhā* |

यदि भूख हो तो विविध व्यंजन मिष्ट इष्ट प्रतीत हों |
तुम क्षुधा-बाधा रहित जिन! क्यों तुम्हें उनसे प्रीति हो ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्रीमहावीर-जिनेन्द्राय क्षुधारोग-विनाशनाय नैवेद्यं निर्वपामीति स्वाहा।
Yadi bhūkha hō tō vividha vyañjana miṣṭa iṣṭa pratīta hōṁ |
Tuma kṣudhā-bādhā rahita jina! Kyōṁ tumhēṁ unasē prīti hō II
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya kṣudhārōga-vināśanāya naivēdyaṁ nirvapāmīti svāhā* |

युगपद्-विशद्-सकलार्थ झलके नित्य केवलज्ञान में |
त्रैलोक्य-दीपक वीर-जिन दीपक चढ़ाऊँ क्या तुम्हें ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्री महावीर-जिनेन्द्राय मोहांधकार-विनाशनाय दीपं निर्वपामीति स्वाहा।
Yugapad-viśad-sakalārtha jhalakē nitya kēvalajñāna mēṁ |
Trailōkya-dīpaka vīra-jina dīpaka caṛhā'ūm̐ kyā tumhēṁ!!
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya mōhāndhakāra-vināśanāya dīpaṁ nirvapāmīti svāhā* |

जो कर्म-ईंधन दहन पावक पुंज पवन समान हैं |
जो हैं अमेय प्रमेय पूरण ज्ञेय ज्ञाता ज्ञान हैं ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्रीमहावीर-जिनेन्द्राय अष्टकर्म-दहनाय धूपं निर्वपामीति स्वाहा ।
Jō karma-īndhana dahana pāvaka puñja pavana samāna haiṁ |
Jō haiṁ amēya pramēya pūraṇa jñēya jñātā jñāna haiṁ ||
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya aṣṭakarma-dahanāya dhūpaṁ nirvapāmīti svāhā* |


All copyrights reserverd © 2Alotus(India)

सारा जगत फल भोगता नित पुण्य एवं पाप का |
सब त्याग समरस-निरत जिनवर सफल जीवन आपका ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्री महावीर-जिनेन्द्राय मोक्षफल-प्राप्तये फलं निर्वपामीति स्वाहा ।
Sārā jagata phala bhōgatā nita puṇya ēvaṁ pāpa kā |
Saba tyāga samarasa-nirata jinavara saphala jīvana āpakā ||
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya mōkṣaphala-prāptayē phalaṁ nirvapāmīti svāhā* |

इस अर्घ्य का क्या मूल्य! अनर्घ्य पद के सामने |
उस परम-पद को पा लिया हे! पतितपावन आपने ||
संतप्त-मानस शान्त हों जिनके गुणों के गान में |
वे वर्द्धमान महान जिन विचरें हमारे ध्यान में ||
ॐ ह्रीं श्रीमहावीर-जिनेन्द्राय अनर्घ्यपद-प्राप्तये अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा ।
Isa arghya kā kyā mūlya! Anarghya pada kē sāmanēl
Usa parama-pada kō pā liyā hē! Patitapāvana āpanē ||
Santapta-mānasa śānta hōṁ jinakē guṇōṁ kē gāna mēṁ |
Vē vard'dhamāna mahāna jina vicarēṁ hamārē dhyāna mēṁ ||
*Ōṁ hrīṁ śrī mahāvīra-jinēndrāya anarghyapada-prāptayē arghyaṁ nirvapāmīti svāhā* |

## पंच-कल्याणक अर्घ्य
## Pañca-*K*alyāṇaka *A*rghya*vali*

(सोरठा छन्द)
(*Sōraṭhā chanda*)
सित छटवीं आषाढ़, माँ त्रिशला के गर्भ में |
अन्तिम गर्भावास, यही जान प्रणमूँ प्रभो ||
ॐ ह्रीं आषाढ़शुक्ल षष्ठ्यां गर्भमंगलमण्डिताय श्रीमहावीरजिनेन्द्राय अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा ।
Sita chaṭavīṁ āṣāṛha, mām̐ triśalā kē garbha mēṁ |
Antima garbhāvāsa, yahī jāna praṇamūm̐ prabhō! |
*Ōṁ hrīṁ āṣāṛhaśukla ṣaṣṭhyāṁ garbhamaṅgalamaṇḍitāya Śrī mahāvīrajinēndrāya arghyaṁ nirvapāmīti svāhā* |

तेरस दिन सित चैत, अन्तिम जन्म लियो प्रभू |
नृप सिद्धार्थ निकेत, इन्द्र आय उत्सव कियो ||
ॐ ह्रीं चैत्रशुक्ल त्रयोदश्यां जन्ममंगलमण्डिताय श्रीमहावीर जिनेन्द्राय अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा ।
Tērasa dina sita caita, antima janma liyō prabhū |
Nṛpa sid'dhārtha nikēta, indra āya utsava kiyō ||
*Ōṁ hrīṁ caitraśukla trayōdaśyāṁ janmamaṅgalamaṇḍitāya śrī mahāvīra jinēndrāya arghyaṁ nirvapāmīti svāhā* |


All copyrights reserverd © 2Alotus(India)

**दशमी मंगसिर कृष्ण,वर्द्धमान दीक्षा धरी |**
**कर्म कालिमा नष्ट, करने आत्मरथी बने ||**
ॐ ह्रीं मार्गशीर्ष-कृष्ण-दशम्यां तपोमंगलमण्डिताय श्री महावीर जिनेन्द्राय अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा ।

**Daśamī maṅgasira kr̥ṣṇa,vard'dhamāna dīkṣā dharī |**

**Karma kālimā naṣṭa, karanē ātmarathī banē ||**

*Ōṁ hrīṁ mārgaśīrṣa-kr̥ṣṇa-daśamyāṁ tapōmaṅgalamaṇḍitāya śrī mahāvīra jinēndrāya arghyaṁ nirvapāmīti svāhā* |

**सित दशमी वैसाख, पायो केवलज्ञान जिन |**
**अष्ट द्रव्यमय अर्घ्य, प्रभुपद पूजा करें हम ||**
ॐ ह्रीं वैशाख-शुक्ल-दशम्यां ज्ञानमंगलमण्डिताय श्री महावीर जिनेन्द्राय अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

**Sita daśamī vaisākha, pāyō kēvalajñāna jina |**

**Aṣṭa dravyamaya arghya, prabhupada pūjā karēṁ hama ||**

*Ōṁ hrīṁ vaiśākha-śukla-daśamyāṁ jñānamaṅgalamaṇḍitāya śrī mahāvīra jinēndrāya arghyaṁ nirvapāmīti svāhā* |

**कार्तिक मावस श्याम, पायो प्रभु निर्वाण तुम |**
**पावा तीरथधाम, दीपावली मनायं हम ||**
ॐ ह्रीं कार्तिक-कृष्ण-अमावस्यां मोक्षमंगलमण्डिताय श्रीमहावीर जिनेन्द्राय अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।

**Kārtika māvasa śyāma, pāyō prabhu nirvāṇa tuma |**

**Pāvā tīrathadhāma, dīpāvalī manāyaṁ hama ||**

*Ōṁ hrīṁ kārtika-kr̥ṣṇa-amāvasyāṁ mōkṣamaṅgalamaṇḍitāya śrīmahāvīra jinēndrāya arghyaṁ nirvapāmīti svāhā* |

## जयमाला

*(दोहा)*

**यद्यपि युद्ध नहीं कियो, नाहिं रखे असि-तीर |**
**परम अहिंसक आचरण, तदपि बने महावीर ||**

*(पद्धरि छन्द)*

**हे! मोह-महादल-दलन-वीर, दुर्द्धर तप-संयम-धरण धीर |**
**तुम हो अनन्त आनन्दकन्द, तुम रहित सर्व जग दंद-फंद ||**

**अघहरण-करन मन-हरनहार, सुख-करन हरण-भवदुख अपार |**
**सिद्धार्थ तनय तन रहित देव, सुर-नर-किन्नर सब करत सेव ||**

**मतिज्ञान रहित सन्मति जिनेश, तुम राग-द्वेष जीते अशेष |**
**शुभ-अशुभ राग की आग त्याग, हो गये स्वयं तुम वीतराग ||**

**षट्द्रव्य और उनके विशेष, तुम जानत हो प्रभुवर अशेष |**
**सर्वज्ञ वीतरागी जिनेश, जो तुम को पहिचानें विशेष ||**

**वे पहिचानें अपना स्वभाव, वे करें मोह-रिपु का अभाव |**
**वे प्रगट करें निज-पर-विवेक, वे ध्यावें निज शुद्धात्म एक ||**


All copyrights reserverd © 2Alotus(India)

निज आतम में ही रहें लीन, चारित्र-मोह को करें क्षीण |
उनका हो जाये क्षीण राग, वे भी हो जायें वीतराग ||

जो हुए आज तक अरीहन्त, सबने अपनाया यही पंथ |
उपदेश दिया इस ही प्रकार, हो सबको मेरा नमस्कार ||

जो तुमको नहिं जाने जिनेश, वे पायें भव-भव-भ्रमण क्लेश |
वे माँगें तुमसे धन समाज, वैभव पुत्रादिक राज-काज ||

जिनको तुम त्यागे तुच्छ जान, वे उन्हें मानते हैं महान |
उनमें हीं निशदिन रहें लीन, वे पुण्य-पाप में ही प्रवीन ||

प्रभु पुण्य-पाप से पार आप, बिन पहिचाने पायें संताप |
संतापहरण सुखकरण सार, शुद्धात्मस्वरूपी समयसार ||

तुम समयसार हम समयसार, सम्पूर्ण आत्मा समयसार |
जो पहिचानें अपना स्वरूप, वे हो जावें परमात्मरूप ||

उनको ना कोई रहे चाह, वे अपना लेवें मोक्ष राह |
वे करें आत्मा को प्रसिद्ध, वे अल्पकाल में होयं सिद्ध ||
ॐ ह्रीं श्रीमहावीरजिनेन्द्राय अनर्घ्यपद-प्राप्तये जयमाला-पूर्णार्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा ।

*(दोहा)*
भूतकाल प्रभु आपका, वह मेरा वर्तमान |
वर्तमान जो आपका, वह भविष्य मम जान ||
|| पुष्पांजलिं क्षिपेत् ||

## Jayamālā

*(Dōhā)*
Yadyapi yud'dha nahīṁ kiyō, nāhiṁ rakhē asi-tīra |
Parama ahimsaka ācaraṇa, tadapi banē mahāvīra ||

*(Pad'dhari chanda)*
Hē! Mōha-mahādala-dalana-vīra, durd'dhara tapa-sanyama-dharaṇa dhīra |
Tuma hō ananta ānandakanda, tuma rahita sarva jaga danda-phanda ||

Aghaharaṇa-karana mana-haranahāra, sukha-karana haraṇa-bhavadukha apāra |
Sid'dhārtha tanaya tana rahita dēva, sura-nara-kinnara saba karata sēva ||

Matijñāna rahita sanmati jinēśa, tuma rāga-dvēṣa jītē aśēṣa |
Śubha-aśubha rāga kī āga tyāga, hō gayē svayaṁ tuma vītarāga ||

Ṣaṭdravya aura unakē viśēṣa, tuma jānata hō prabhuvara aśēṣa |
Sarvajña vītarāgī jinēśa, jō tuma kō pahicānēṁ viśēṣa ||


All copyrights reserverd © 2Alotus(India)

**Vē pahicānēṁ apanā svabhāva, vē karēṁ mōha-ripu kā abhāva |**
**Vē pragaṭa karēṁ nija-para-vivēka, vē dhyāvēṁ nija śud'dhātma ēka ||**

**Nija ātama mēṁ hī rahēṁ līna, cāritra-mōha kō karēṁ kṣīṇa |**
**Unakā hō jāyē kṣīṇa rāga, vē bhī hō jāyēṁ vītarāga ||**

**Jō hu'ē āja taka arīhanta, sabanē apanāyā yahī pantha |**
**Upadēśa diyā isa hī prakāra, hō sabakō mērā namaskāra ||**

**Jō tumakō nahiṁ jānē jinēśa, vē pāyēṁ bhava-bhava-bhramaṇa klēśa |**
**Vē mām̐gēṁ tumasē dhana samāja, vaibhava putrādika rāja-kāja ||**

**Jinakō tuma tyāgē tuccha jāna, vē unhēṁ mānatē haiṁ mahāna |**
**Unamēṁ hī niśadina rahēṁ līna, vē puṇya-pāpa mēṁ hī pravīna ||**

**Prabhu puṇya-pāpa sē pāra āpa, bina pahicānē pāyēṁ santāpa |**
**Santāpaharaṇa sukhakaraṇa sāra, śud'dhātmasvarūpī samayasāra ||**

**Tuma samayasāra hama samayasāra, sampūrṇa ātmā samayasāra |**
**Jō pahicānēṁ apanā svarūpa, vē hōṁ jāvēṁ paramātmarūpa ||**

**Unakō nā kōr'i rahē cāha, vē apanā lēvēṁ mōkṣa rāha |**
**Vē karēṁ ātmā kō prasid'dha, vē alpakāla mēṁ hōyaṁ sid'dha ||**

*Ōṁ hrīṁ śrīmahāvīrajinēndrāya anarghyapada-prāptayē jayamālā-pūrṇārghyaṁ nirvapāmīti svāhā* |

*(Dōhā)*

**Bhūtakāla prabhu āpakā, vaha mērā vartamāna |**
**Vartamāna jō āpakā, vaha bhaviṣya mama jāna ||**

|| *puṣpāñjaliṁ kṣipēt* ||

***********


All copyrights reserverd © 2Alotus(India)